अयोध्या, मथुरा, काशी रोजगार के भी केंद्र

लखनऊ, विशेष संवाददाता। अयोध्या, काशी और मथुरा अब आस्था के केंद्रों के साथ ही उत्तर प्रदेश में रोजगार के बड़े केंद्र में शुमार होने जा रहे हैं। ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी 4.0) के माध्यम से इन तीनों स्थानों पर 48 हजार करोड़ रुपये से अधिक के प्रोजेक्ट्स को धरातल पर उतारने की शुरुआत हो चुकी है। इस निवेश के जरिए व्यापक स्तर पर रोजगार के द्वार खुल रहे हैं। इन तीनों स्थलों पर जो टॉप-5 प्रोजेक्ट्स शुरू हो रहे हैं। अकेले उनके माध्यम से यहां पर करीब 14 हजार लोगों को रोजगार मिलने जा रहा है।

अयोध्या: प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या में करीब 13 हजार करोड़ के कुल 372 प्रोजेक्ट्स की शुरुआत होने जा रही है। इसमें अभिनंदन लोढ़ा हाउस रीयल एस्टेट एवं कॉमर्शियल प्रोजेक्ट के माध्यम से 3 हजार करोड़ रुपये का निवेश कर रहा है, जो 100 से अधिक रोजगार के अवसर सृजित करेगा।

काशी: भगवान शिव की नगरी काशी में करीब 19250 करोड़ की निवेश राशि से 277 प्रोजेक्ट्स शुरू हो रहे हैं। इसमें टॉप-5 प्रोजेक्ट्स से 1500 से ज्यादा लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लि. (भेल) 500 करोड़ रुपये की धनराशि से कंपनी के मौजूदा और उभरते व्यावसायिक क्षेत्र (मैकेनिकल/इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट/सिस्टम) के लिए रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आरएंडडी) और फैब्रिकेशन/मैन्युफैक्चरिंग/टेस्टिंग फैसिलिटीज की स्थापना कर रहा है।

मथुरा: श्रीकृष्ण जन्मस्थली मथुरा में करीब 16,600 करोड़ रुपये से 415 प्रोजेक्ट्स की ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी संपन्न हुई है। यहां टॉप-5 प्रोजेक्ट्स से 11 हजार से अधिक नौकरियां मिलने की संभावना है।

अन्य चार प्रमुख धार्मिक स्थलों में भी बड़े प्रोजेक्ट

प्रदेश के अन्य धार्मिक स्थलों (प्रयागराज, चित्रकूट, नैमिषारण्य (सीतापुर), बरेली) के जरिए भी 77,312 करोड़ रुपये के कुल 902 प्रोजेक्ट्स धरातल पर उतर रहे हैं। इसके माध्यम से हजारों रोजगार मिलने की संभावना है। इन चारों धार्मिक स्थलों में होने जा रहे टॉप-5 प्रोजेक्ट्स के जरिए यहां 12,500 से ज्यादा रोजगार प्रदान करेंगे। संगमनगरी प्रयागराज में वरुण बेवरेजेस, डीएनडी इंडिया, ओमेक्स लि, शौर्य नेचुरोपैथी एंड रिसॉर्ट्स इंडिया, चित्रकूट में टस्को लि. सहस्रभुज फूड प्रोडक्ट्स श्री सीमेंट के प्रोजेक्ट लग रहे हैं।